Volume 7, Issue 12, April 2021

# Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR

## News

### Appearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (3rd March)
(ISKCON, East of Kailash)

Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura was born as an answer to the prayers of Srila Bhaktivinoda Thakura, who was eager to gain assistance for the dissemination of Vaishnava philosophy. His contribution marks the development of new age tools for spreading the philosophy like book distribution and publication of transcendental literature. He introduced the use of dioramas and other cultural presentations to educate people in spiritual knowledge. He encouraged Srila Prabhupada to take this sublime message of the Vedas to the Western countries. His appearance day was celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. Devotees prayed for the mercy of the great acharya, known for his fearless preaching and for the will to spread the word of the Lord far and wide.

## समाचार

### श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का प्राकट्य दिवस
(3 मार्च)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का जन्म श्रील भक्तिविनोद ठाकुर की प्रार्थना के प्रत्योत्तर स्वरुप हुआ था, जो वैष्णव दर्शन के प्रसार हेतु सहायता प्राप्त करने को उत्सुक थे। दर्शन के प्रसार हेतु, नवयुगीन साधनों का विकास, जैसे पुस्तक वितरण एवं दिव्य साहित्य का प्रकाशन आदि उनके योगदान को दर्शाते हैं। उन्होंने, लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान में शिक्षित करने हेतु ड्रामा एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के उपयोग का आरम्भ किया। उन्होंने श्रील प्रभुपाद को वेदों के इस उदात्त संदेश को पश्चिमी देशों तक ले जाने हेतु प्रोत्साहित किया। उनका प्राकट्य दिवस पुष्पाञ्जली, कीर्तन एवं भोज–प्रसादम के साथ मनाया गया। भक्तों ने महान आचार्य की कृपा प्राप्ति हेतु प्रार्थना की, जो भगवान् के वचनों को दूर–दूर तक फैलाने की इच्छा के कारण अपने निडर निर्देशों हेतु जाने जाते थे।

### स्वयं को आध्यात्मिक रूप से पुनः आवेशित करने का एक सुअवसर (4–14 मार्च)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

वर्षभर के पूर्ण लॉकडाउन पश्चात 70 भक्तों हेतु एक इस्कॉन युवा मंच शिविर का आयोजन किया गया। भक्तों ने अन्य भक्तों की संगति का आनन्द लिया जो कमी वे वास्तव में अनुभव कर रहे थे। भक्तों ने जगन्नाथ पुरी और श्रीधाम मायापुर की यात्राएं कीं। भक्तों ने कई मंदिरों में जाकर दर्शन किए, यात्राएं कीं, कीर्तन किया एवं श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु जैसे वरिष्ठ एवं उन्नत भक्तों से श्रवण कर आध्यात्मिक कायाकल्प अनुभव किया।

### A Chance to Replenish the Batteries (4th -14th Mar) (ISKCON, Punjabi Bagh)

An IYF camp for 70 devotees was organized after a year of complete lockdown. The devotees relished the association of other devotees which they had been really missing. The devotees visited Jagannatha Puri and Sridhama Mayapur. The devotees felt rejuvenated by visiting many temples, having darshans, performing kirtans and hearing from very senior and advanced devotees like H.G. Rukmini Krishna Prabhu.

### Walking the Digital Path (Mar 2021) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Necessity is the mother of Invention – with this motto, the temple bookshop designed a mobile app MIRAAH for the convenience of devotees to buy the books and other items while sitting at home. Last year has been challenging as many devotees couldn't visit the temple frequently. The purpose of this app is to let devotees read and hear about Krishna without any external interruption. The app can be downloaded from the App store.

### ISKCON Girls Forum at Kumbh Snana (21st February) (IGF, ISKCON East of Kailash)

The girls of IGF, Delhi, participated in the Kumbh Snana. One hundred and forty girls, under the leadership of Her Grace Urmila Mataji, visited Mathura and Vrindavana on 21st February. Three buses full of devotees, visited various lila-sthalis, reminiscing the pastimes of the Lord and His dear devotees. The trip was a recharge program for everyone's spiritual batteries.

### Brahmacharis' Retreat (ISKCON, Rohini)

A a resident brahmcharis' retreat was organised to Sridhama Vrindavan & Karauli. Under the guidance of the temple president, H.G. Keshav Murari prabhu, around 9-10 devotees relished the three days' trip. The trip started from Vrindavan and culminated in Karauli to take the darshan of Sri Sri Radha Madana-Mohan deities there. Thereafter, the group returned to Vrindavan and went for the darshans of Sri Sri Radha Madana-mohan Temple, Sri Sri Radha Govind Dev Temple, Sri Sri Radha Gopinath Temple. The devotees ended their pilgrimage with the darshans of Sri Sri Jagannatha-Baladeva-Subhadra Devi in a temple at the crossing of Radha Madana-mohan Temple. Having rejuvenated themselves, all the young devotees came back to the temple with lots of hari-katha for others to relish.

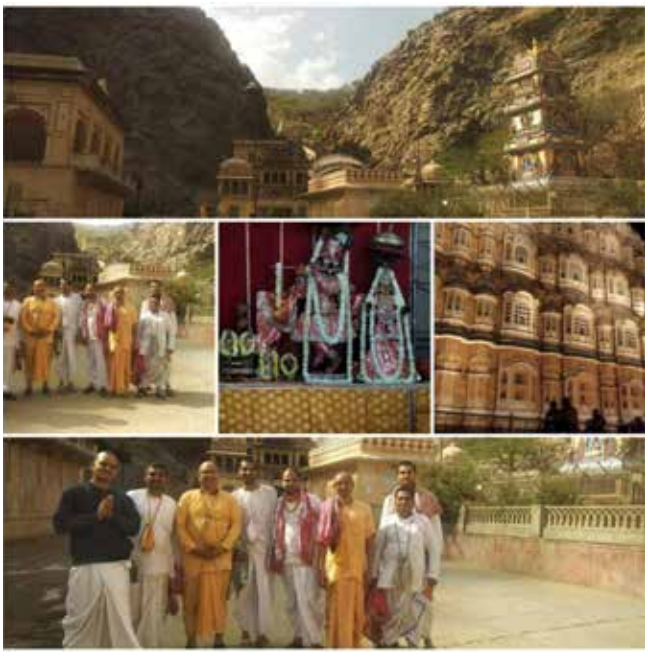

### डिजिटल मार्ग की सैर (मार्च 2021) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

आवश्यकता अविष्कार की जननी है – इस आदर्श वाक्य के साथ, मंदिर पुस्तक भण्डार ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु एक मोबाइल ऐप MIRAAH तैयार किया है, जिसमें घर बैठे ही किताबें एवं अन्य सामग्री क्रय कर सकते हैं। पिछला वर्ष चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि कई भक्त अधिकाँशतः मंदिर नहीं जा सकते थे। इस ऐप का उद्देश्य भक्तों को बिना किसी बाहरी व्यवधान के कृष्ण के विषय में श्रवण एवं पठन हेतु सुविधा प्रदान करना है। इस ऐप को ऐप–स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

### कुंभ स्नान में इस्कॉन बालिका मंच (21 फरवरी) (आई जी एफ, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन बालिका मंच दिल्ली की लड़कियों ने कुंभ में भाग लिया। श्रीमति उर्मिला माताजी के नेतृत्व में एक सौ चालीस बालिकाओं ने 21 फरवरी को मथुरा एवं वृंदावन की यात्रा की। तीन बसें भरकर भक्तों ने, भगवान एवं उनके प्रिय भक्तों की लीलाओं का स्मरण किया तथा विभिन्न लीलास्थलियों की यात्रा की। यह यात्रा सभी भक्तों की आध्यात्मिक बैटरी हेतु एक पुनः आवेश प्रदान करने जैसी थी।

### ब्रह्मचारी यात्रा (इस्कॉन, रोहिणी)

मंदिर के निवासी ब्रह्मचारी भक्तों की एक यात्रा श्रीधाम वृंदावन और करौली में आयोजित की गई थी। मंदिर के अध्यक्ष, श्रीमान केशव मुरारी प्रभु के मार्गदर्शन में लगभग 9–10 भक्तों ने तीन दिवसीय यात्रा का आनंद लिया। यात्रा श्री वृंदावन धाम से आरम्भ हुई, तदोपरान्त वे श्री श्री राधा मदन–मोहन जी के दर्शनों हेतु करौली पहुँचे। तत्पश्चात यात्रा वृन्दावन लौट आई तथा श्री श्री राधा मदन–मोहन जी मंदिर, श्री श्री राधा गोविंद देवजी मंदिर एवं श्री श्री राधा गोपीनाथ जी मंदिर में दर्शन किये। उन्होंने श्री श्री राधा मदन–मोहन जी मंदिर के साथ ही एक मंदिर में श्री श्री जगन्नाथ–बलदेव–सुभद्रा देवी के दर्शन के साथ ही अपनी तीर्थयात्रा सम्पन्न की। सभी युवा भक्त, स्वयं को पुनः ऊर्जावान बना, दूसरों के आस्वादन हेतु बहुत सारी हरिकथा लेकर वापस मंदिर में लौट आये।

## Vedic Cosmology (Mar, 2021)

**(Institute for science and spirituality (ISS), East of Kailash)**

The audience were provided an opportunity to delve into the Vedic cosmology throughout the month of February. Towards the end of February, a talk on the 'Art and Science of Meditation' by Dr. Asit Nema was held, addressing the role of meditation in giving practical solutions to present day problems. The talk was well appreciated by the audience. Thereafter, the month of March began with a fresh lecture series entitled 'Science and Religion: Conflict, Co-operation and Co-existence" by Prof. Gopal Gupta. In the first session on 7th March, Prof. Gupta discussed about the problem of scientific materialism. He brought forth how the scientific materialists don't consider any knowledge beyond their own science. In the next session on 14thMarch, he discussed about the religious implication of big bang cosmology and emphasized that space and time are relative as previously told by Einstein. Both space and time are dependent on the speed of travel as well. The space and time are elements of the Universe, rather than the Universe coming out of space and time. Around 80 people are in regular attendance for these ongoing sessions. Meanwhile the IIT Delhi chapter of ISS is regularly conducting Bhagavad-Gita online classes in 'Science, Spirituality and Sustainability' group on Facebook every Friday evening for the benefit of its members. The membership of the group is about 250 in number. In the by gone weeks, verses 10-12 of chapter 16 dealing with the characteristics of demoniac natures have been discussed. A spiritual trip to Nandagram for all the group members was also arranged on 6th March. Two outreach programs of prasad distribution to poor children were successfully organized at a school near IGNOU and night shelter near IIT respectively.

## वैदिक ब्रह्मांड विज्ञान (मार्च, 2021)

**इस्कॉन आध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान (आई एस एस) ईस्ट ऑफ कैलाश**

श्रोताओँ को पूरे फरवरी माह में वैदिक ब्रह्माण्ड विज्ञान के भीतर गोते लगाने का अवसर प्रदान किया गया। फरवरी के अंत में डॉ. असित नेमा द्वारा 'कला एवं ध्यान का विज्ञान' विषय पर एक वार्ता आयोजित की गई, जिसमें "वर्तमान समस्याओं के व्यवहारिक समाधान में ध्यान की भूमिका" विषय पर दर्शकों को संबोधित किया गया एवं उनके द्वारा इसकी भूरि–भूरि प्रशंसा की गई। इसके उपरांत मार्च का महीना प्रो. गोपाल गुप्ता द्वारा एक नई व्याख्यान श्रृंखला के साथ आरम्भ हुआ जिसका शीर्षक था धर्म एवं विज्ञानः संघर्ष, सहयोग और सह–अस्तित्व। 7 मार्च के प्रथम सत्र में प्रो. गुप्ता ने वैज्ञानिक भौतिकवाद की समस्या के विषय में वार्ता की। उन्होंने आगे बताया कि कैसे भौतिकवादी वैज्ञानिक स्वयं के विज्ञान से परे किसी भी ज्ञान को स्वीकार नहीं करते। 14 मार्च के अगले सत्र में, उन्होंने ब्रह्माण्ड विज्ञान में बिग बैंग के धार्मिक निहितार्थ के विषय में वार्ता की एवं बल दिया कि काल तथा अंतरिक्ष सापेक्ष हैं जैसा कि पहले आइंस्टीन द्वारा बताया गया है। साथ ही काल एवं अंतरिक्ष दौनों यात्रा की गति पर भी निर्भर हैं। काल एवं अंतरिक्ष ब्रह्माण्ड के अवयव हैं न कि ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति काल एवं अन्तरिक्ष से हुई है। इन सुचारु सत्रों में लगभग 80 लोग नियमित रूप से उपस्थिति में हैं। इस बीच आईएसएस की आईआईटी दिल्ली इकाई नियमित रूप से अपने सदस्यों के लाभ हेतु हर शुक्रवार संध्या फेसबुक पर विज्ञान, अध्यात्म एवं स्थिरता समूह में भगवद–गीता पर ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन कर रहा है। समूह की सदस्यता संख्या लगभग 250 है। बीते सप्ताहों में, अध्याय 16 के श्लोक 10–12 में आसुरी स्वभाव के लोगों से व्यवहार पर वार्ता की गई। 6 मार्च को समूह के सभी सदस्यों हेतु नंदगांव की एक आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन भी किया गया। निर्धन बच्चों को प्रसाद वितरण के दो कार्यक्रम क्रमशः इग्नू के समीप एक विद्यालय में तथा आईआईटी के समीप रैन बसेरे में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

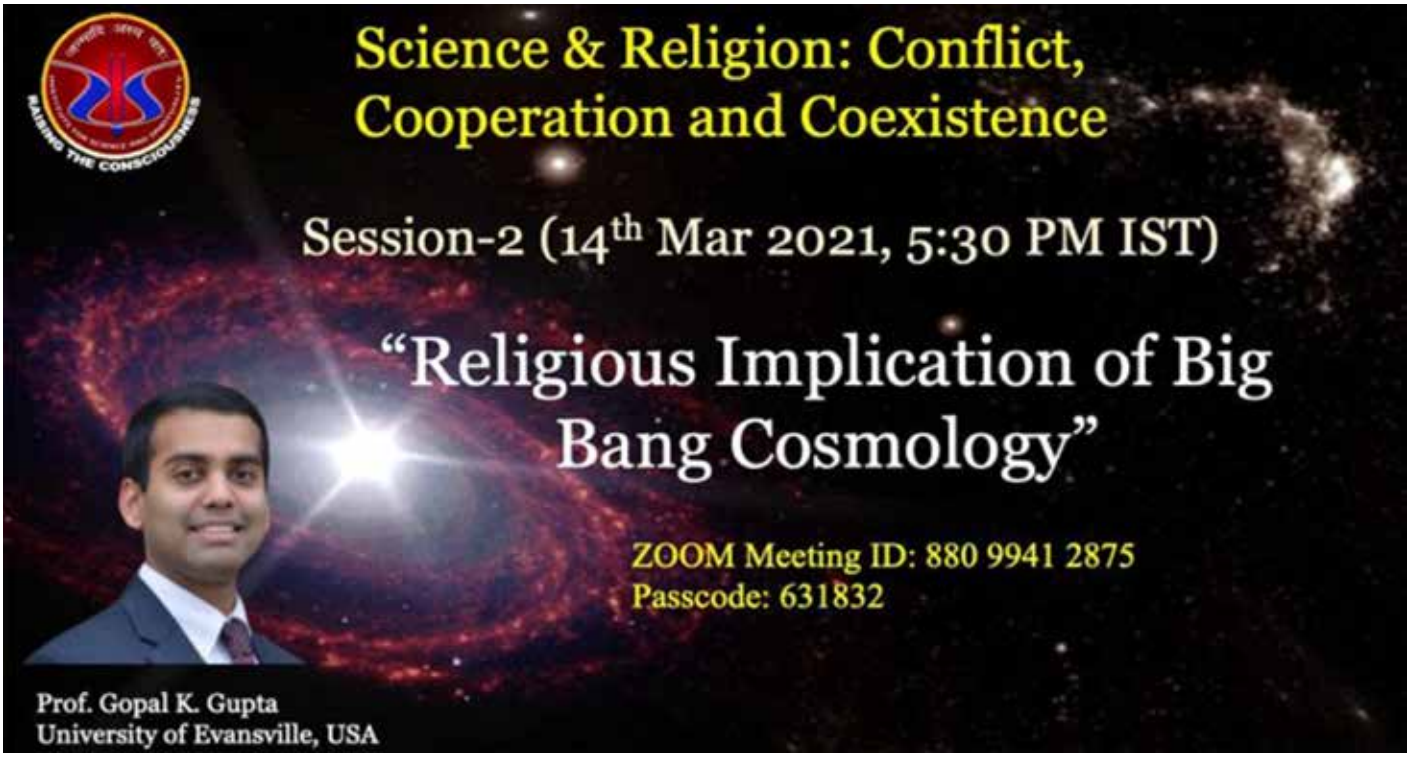

### A night of Gratitude (9th Mar)
**(ISKCON, Punjabi Bagh)**

A special festival was organized to recognize the efforts of the congregation and the temple resident team in distributing Srila Prabhupada books during the Book Distribution marathon month. Like every year, the occasion was graced by the presence of H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja. Maharaja personally handed over certificates and trophies to all the top distributing teams and congratulated the entire temple community. This year was special as the devotees braved the COVID challenges to fulfil the most-dear service of their beloved spiritual master, Srila Prabhupada. In total, ISKCON Punjabi Bagh distributed more than 2.6 lac copies of Bhagavad-Gita along with over 600 copies of Srimad-Bhagawatam, ranking it amongst the top temples in the world in terms of book distribution.

### Disappearance day of Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja (14th March)
**(ISKCON, East of Kailash)**

Srila Bhaktivinoda Thakura took shelter of the exalted Vaishnava Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja, for the unearthing of the birthplace of Chaitanya Mahaprabhu. At that time Babaji Maharaja was almost 140 years old. His servant would carry him around in a basket. After this basket was kept down on the piece of land which Thakura Bhaktivinoda suspected to be the birthplace of Gauranga, Babaji Maharaja jumped up several feet in ecstasy. Srila Jagannatha Dasa Babaji Maharaja's disappearance day was celebrated with pushpanjali and kirtan. Devotees reminisced his principles which illuminate the path of Vaishnavas even today.

### Yatra to Mayapur for brahmacharis (14th – 21st Mar)
**(ISKCON, East of Kailash)**

Around fifty brahmacharis from ISKCON Delhi, visited Mayapur under the leadership of H.G. Mohan Rupa Prabhu, President, Sri Sri Radha Parthasarathi Temple, East of Kailash. After a year of following the pandemic protocol, this yatra was a much sought after event for the brahmacharis. They performed the parikrama of Mayapur

### कृतज्ञता की एक साँझ (9 मार्च)
**(इस्कॉन, पंजाबी बाग)**

पुस्तक वितरण मैराथन माह में श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों के वितरण में मंदिर के निवासी भक्तों एवं भक्त मण्डली के साझा प्रयासों को मान्यता प्रदान करने हेतु एक विशेष उत्सव का आयोजन किया गया था। प्रतिवर्ष की भाँति, इस वर्ष भी परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज की गौरवमयि उपस्थिति ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। महाराज ने सभी शीर्ष वितरक टीमों को व्यक्तिगत रूप से प्रमाण पत्र एवं ट्राफियां सौंपी एवं पूरे मंदिर समुदाय को बधाई दी। यह वर्ष विशेष था क्योंकि भक्तों ने अपने प्रिय आध्यात्मिक गुरु, श्रील प्रभुपाद की सबसे प्रिय सेवा को पूरा करने हेतु कोविड चुनौतियों का सामना किया। कुल मिलाकर, इस्कॉन पंजाबी बाग ने श्रीमद्–भागवतम् की 600 से अधिक प्रतियों के साथ श्रीमद्–भगवद्गीता की 2.6 लाख से अधिक प्रतियां वितरित कर, इसे पुस्तक वितरण के मामले में दुनिया के शीर्ष मंदिरों में शामिल किया।

### श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस (14 मार्च)
**(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)**

चैतन्य महाप्रभु की जन्मस्थली के अनावरण हेतु श्रील भक्तिविनोद ठाकुर ने परम वैष्णव श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज की शरण ली। उस समय बाबाजी महाराज लगभग 140 वर्ष के थे। उनके शिष्य उन्हें एक टोकरी में उधर ले गए। इसके बाद टोकरी को भूमि में उस स्थान पर रख दिया गया, जिस पर ठाकुर भक्तिविनोद को भगवान गौरांग की जन्मभूमि होने की आशा थी, बाबाजी महाराज ने परम आनंद में कई फीट ऊपर छलांग लगा दी। श्रील जगन्नाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि एवं कीर्तन के साथ मनाया गया। भक्तों ने उनके सिद्धांतों का स्मरण किया जो आज भी वैष्णवों का मार्ग प्रकाशित कर रहे हैं।

### ब्रह्मचारियों हेतु मायापुर की यात्रा (14 – 21 मार्च)
**(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)**

इस्कॉन दिल्ली के लगभग पचास ब्रह्मचारियों ने श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश मन्दिराध्यक्ष श्रीमान मोहन रूप प्रभु जी के नेतृत्व में मायापुर धाम की यात्रा की। महामारी प्रोटोकॉल का पालन करने के एक वर्ष पश्चात, यह यात्रा ब्रह्मचारियों हेतु एक अति महत्व की यात्रा रही। उन्होंने मायापुर धाम की परिक्रमा की एवं गौरांग महाप्रभु की लीलास्थलियों के कई स्थानों का दर्शन भी किया। पूरे समूह ने एक दूसरे के संग में कीर्तन, गौर–कथा आदि में भाग लिया तथा शानदार प्रसादम का सेवन किया। यह एक आध्यात्मिक रूप से प्राण संचार करने वाला जीवंत कार्यक्रम रहा, जिसने भक्तों को आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्न रहते हुए एक–दूसरे के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

dhama, visiting several places of pastimes of Gauranga Mahaprabhu. The group engaged in kirtan, Gaura-katha and honoured sumptuous prasadam, in the each other's association. It was a spiritually enlivening event, which provided the devotees with an opportunity to associate with each other while engaging in spiritual activities.

### Sunday Gurukul (ISKCON, Rohini)

The Gurukul classes have been organized for more than a decade now. Earlier the classes used to be held at Sri Chaitanya Public School, Rohini but now, for more than 2 years, they are being held in the temple premises. Launched by H.G. Sri Narayani Mataji, a senior preacher of the temple & present Principal, BGIS, Vrindavan, the classes are being managed quite successfully by H.G. Arjun Anand Prabhu & H.G. Priya Rani Mataji on every Sunday from 10.30am till 12.30pm. More than 50 students participate in the online classes. Students are in the age group of 4-12 years. After graduating from here, they are transferred to ITF (ISKCON Teenagers' Forum). Students are trained not just to become good devotees but also good human beings.

### Gaura Purnima (28th March)

The Lord keeps His promise of incarnating from time to time in order to give pleasure to His devotees. The chastising of the miscreants is something that He can accomplish effortlessly. Therefore, the Lord's main aim is to enact pastimes that can be relished by the followers and servants for all the ages to come. He establishes the yuga-dharma of sankirtan, distributing pure love of Godhead freely. He is the most munificent incarnation as He gives pure love without discriminate against those who are not eligible. Gaura Purnima was celebrated with enthusiasm and zeal. Devotees visited the temple to take the most resplendent darshans of Lord Gauranga. An elaborate abhishek was performed for the pleasure of the Lord. Witnessing this, devotees sang and danced to the chant of the holy name. Fasting till dusk, people read and performed service for pleasing the golden complexioned Sri Caitanya Mahaprabhu. An elaborate adivasa ceremony preceded the festivities. Prior to this celebration, Gaura-katha was partaken by devotees. The narration of the innumerable pastimes of the Lord filled the hearts of the audience with bliss and love. A Shobha-yatra was also organised on this occasion on the campus of the temple, due to the Covid 19 restrictions on gatherings.

### रविवार गुरुकुल (इस्कॉन, रोहिणी)

गुरुकुल कक्षाओं का आयोजन करते हुए अब तक एक दशक से अधिक समय बीत चुका है। पहले कक्षाएं श्री चैतन्य पब्लिक स्कूल, रोहिणी में आयोजित की जातीं थीं, किन्तु अब, 2 से अधिक वर्षों से, वे मंदिर परिसर में आयोजित की जा रहीं हैं। मंदिर की वरिष्ठ प्रचारक और बीजीआईएस वृंदावन गुरुकुल की वर्तमान प्रिंसिपल, श्रीमति नारायणी माताजी द्वारा शुरू की गईं, कक्षाएं, श्रीमान अर्जुन आनंद प्रभु एवं श्रीमति प्रिया रानी माताजी द्वारा प्रत्येक रविवार को प्रातः 10.30 बजे से अपराह्न 12.30 बजे तक काफी सफलतापूर्वक प्रबंधित की जा रहीं हैं। ऑनलाइन कक्षाओं में 50 से अधिक छात्र भाग लेते हैं। छात्र 4–12 वर्ष की आयु वर्ग में हैं। यहाँ से स्नातक होने के उपरांत, उन्हें आईटीएफ (इस्कॉन टीनएजर्स फोरम) में स्थानांतरित कर दिया जाता है। छात्रों को न केवल अच्छे भक्त बनने हेतु प्रशिक्षित किया जाता है, बल्कि वे अच्छे मानव भी होते हैं।

### श्री गौर पूर्णिमा (28 मार्च)

भगवान, अपने भक्तों को सुख प्रदान करने हेतु, समय–समय पर अवतरित होने का अपना वचन पूर्ण करते हैं। असुरों का दमन करना तो कुछ ऐसा है जिसे वह सहजता से पूर्ण कर सकते हैं, अतः, भगवान का मुख्य उद्देश्य तो लीला प्रकाशित करना है जो आने वाले सभी युगों में शिष्यों एवं अनुयायियों द्वारा जिनका आस्वादन किया जा सके। वह संकीर्तन के युग–धर्म की स्थापना करते हैं, ईश्वर के शुद्ध प्रेम को स्वतंत्र रूप से वितरित करते हैं। वे परम औदार्य अवतार हैं क्योंकि वे उन लोगों के साथ भी बिना भेदभाव किए शुद्ध प्रेम वितरित करते हैं जो अयोग्य हैं। गौर पूर्णिमा उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। भक्तों ने मंदिर में भगवान गौरांग के परम दैदीप्यमान दर्शनों का लाभ लिया। भगवान् की प्रसन्नता हेतु एक विस्तृत अभिषेक का आयोजन किया गया। इसके साक्षी रहे भक्तों ने भगवान् के पवित्र हरिनाम संकीर्तन में नर्तन एवं गायन किया। चंद्रोदय तक उपवास रखा, स्वर्णिम आभायुक्त गौरवर्ण श्री चैतन्य महाप्रभु को प्रसन्न करने हेतु लोगों ने सेवा एवं शास्त्र पाठ किया। उत्सव से पहले एक विस्तृत आदिवास समारोह आयोजित किया गया। इस उत्सव से पहले, भक्तों द्वारा गौर–कथा में हिस्सा लिया गया। प्रभु की अनगिनत लीलाओं के वर्णन ने दर्शकों के हृदय को आनंद और प्रेम से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर कोविड प्रतिबंधों के कारण, मंदिर के परिसर में ही एक शोभा–यात्रा का भी आयोजन किया गया।

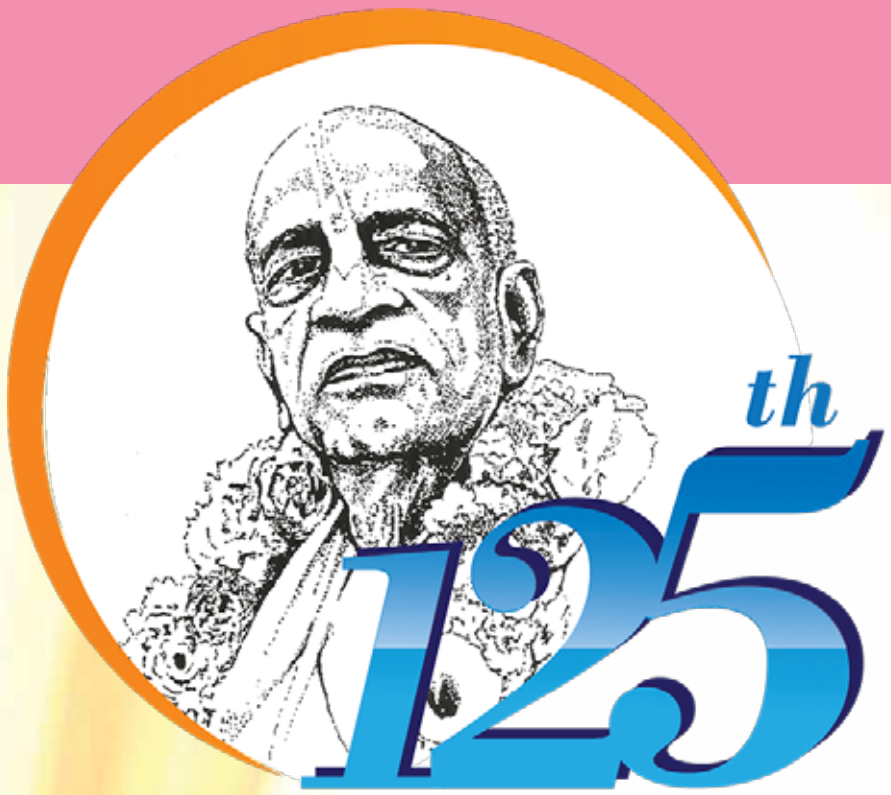


# SRILA PRABHUPADA

## BIRTH ANNIVERSARY

## — 1896-2021 —

# PRAYER UNTO THE LOTUS FEET OF KRSNA

***by His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupāda on board the ship Jaladuta, September 13, 1965***

**Text One**

*kṛṣṇa taba puṇya habe bhāi*
*e-puṇya koribe jabe rādhārāṇī khuśī habe*
*dhruva ati bali tomā tāi*

O brother, Kṛṣṇa, I emphatically say to You that when You perform this pious act Śrīmatī Rādhārāṇī will surely be pleased with You and You will achieve great piety.

**Text Two**

*śrī-siddhānta saraswatī śacī-suta priya ati*
*kṛṣṇa-sebāya jāra tula nāi*
*sei se mohānta-guru jagater madhe uru*
*kṛṣṇa-bhakti dey ṭhāi ṭhāi*

Śrī Śrīmad Bhaktisiddhānta Sarasvatī Ṭhākura, who is very dear to Lord Gaurāṅga, the son of mother Śacī, is unparalleled in his service to the Supreme Lord Śrī Kṛṣṇa. He is that great saintly spiritual master who bestows intense devotion to Kṛṣṇa at different places throughout the world.

**Text Three**

*tāra icchā balavān pāścātyete ṭhān ṭhān*
*hoy jāte gaurāṅger nām*
*pṛthivīte nagarādi āsamudra nada nadī*
*sakalei loy kṛṣṇa nām*

By his strong desire, the holy name of Lord Gaurāṅga will spread throughout all the countries of the Western world. In all the cities, towns, and villages on the earth, from all the oceans, seas, rivers, and streams, everyone will chant the holy name of Kṛṣṇa.

**Text Four**

*tāhale ānanda hoy tabe hoy digvijay*
*caitanyer kṛpā atiśay*
*māyā duṣta jata duḥkhī jagate sabāi sukhī*
*vaiṣṇaver icchā pūrṇa hoy*

As the vast mercy of Śrī Caitanya Mahāprabhu conquers all directions, a flood of transcendental ecstasy will certainly cover the land. When all the sinful, miserable living entities become happy, the Vaiṣṇavas' desire is then fulfilled.

**Text Five**

*se kārja je koribāre ājñā jadi dilo more*
*jogya nahi an dīna hīna*
*tāi se tomāra kṛpā māgitechi anurūpā*
*āji numi sabār pravīṇa*

Although my Guru Mahārāja ordered me to accomplish this mission, I am

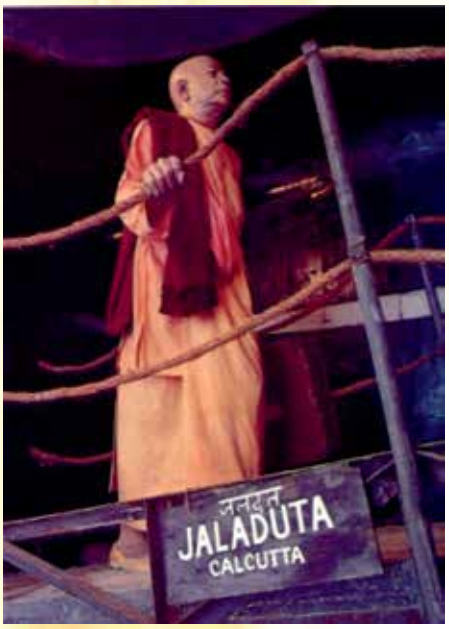


not worthy or fit to do it. I am very fallen and insignificant. Therefore, O Lord, now I am begging for Your mercy so that I may become worthy, for You are the wisest and most experienced of all.

**Text Six**

*tomāra se śakti pele guru-sebāya bastu mile*
*jībana sārthak jadi hoy*
*sei se sevā pāile tāhale sukhī hale*
*taba saṅga bhāgyate miloy*

If You bestow Your power, by serving the spiritual master one attains the Absolute Truth—one's life becomes successful. If that service is obtained, then one becomes happy and gets Your association due to good fortune.

**Text Seven**

*evaṁ janaṁ nipatitaṁ prabhavāhikūpe*
*kāmābhikāmam anu yaḥ prapatan prasaṅgāt*
*kṛtvātmasāt surarṣiṇā bhagavan gṛhītaḥ*
*so 'haṁ kathaṁ nu visṛje tava bhṛtya-sevām*

"My dear Lord, O Supreme Personality of Godhead, because of my association with material desires, one after another, I was gradually falling into a blind well full of snakes, following the general populace. But Your servant Nārada Muni kindly accepted me as his disciple and instructed me how to achieve this transcendental position. Therefore, my first duty is to serve him. How could I leave his service?" [Prahlāda Mahārāja to Lord Nṛsiṁhadeva, Bhāg. 7.9.28)

**Text Eight**

*tumi mor cira sāthī bhuliyā māyār lāthi*
*khāiyāchi janma-janmāntare*
*āji punaḥ e sujoga jadi hoy jogāyoga*
*tabe pāri tuhe milibāre*

O Lord Kṛṣṇa, You are my eternal companion. Forgetting You, I have suffered the kicks of māyā birth after birth. If today the chance to meet You occurs again, then I will surely be able to rejoin You.

**Text Nine**

*tomāra milane bhāi ābār se sukha pāi*
*gocārane ghuri din bhor*
*kata bane chuṭāchuṭi bane khāi luṭāpuṭi*
*sei din kabe habe mor*

O dear friend, in Your company I will experience great joy once again. In the early morning I will wander about the cowherd pastures and fields. Running and frolicking in the many forests of Vraja, I will roll on the ground in spiritual ecstasy. Oh when will that day be mine?

**Text Ten**

*āji se subidhāne tomāra smaraṇa bhela*
*baro āśā ḍākilām tāi*
*āmi tomāra nitya-dāsa tāi kori eta āśa*
*tumi binā anya gati nāi*

Today that remembrance of You came to me in a very nice way. Because I have a great longing I called to You. I am Your eternal servant and therefore I desire Your association so much. O Lord Kṛṣṇa, except for You there is no other means of success.

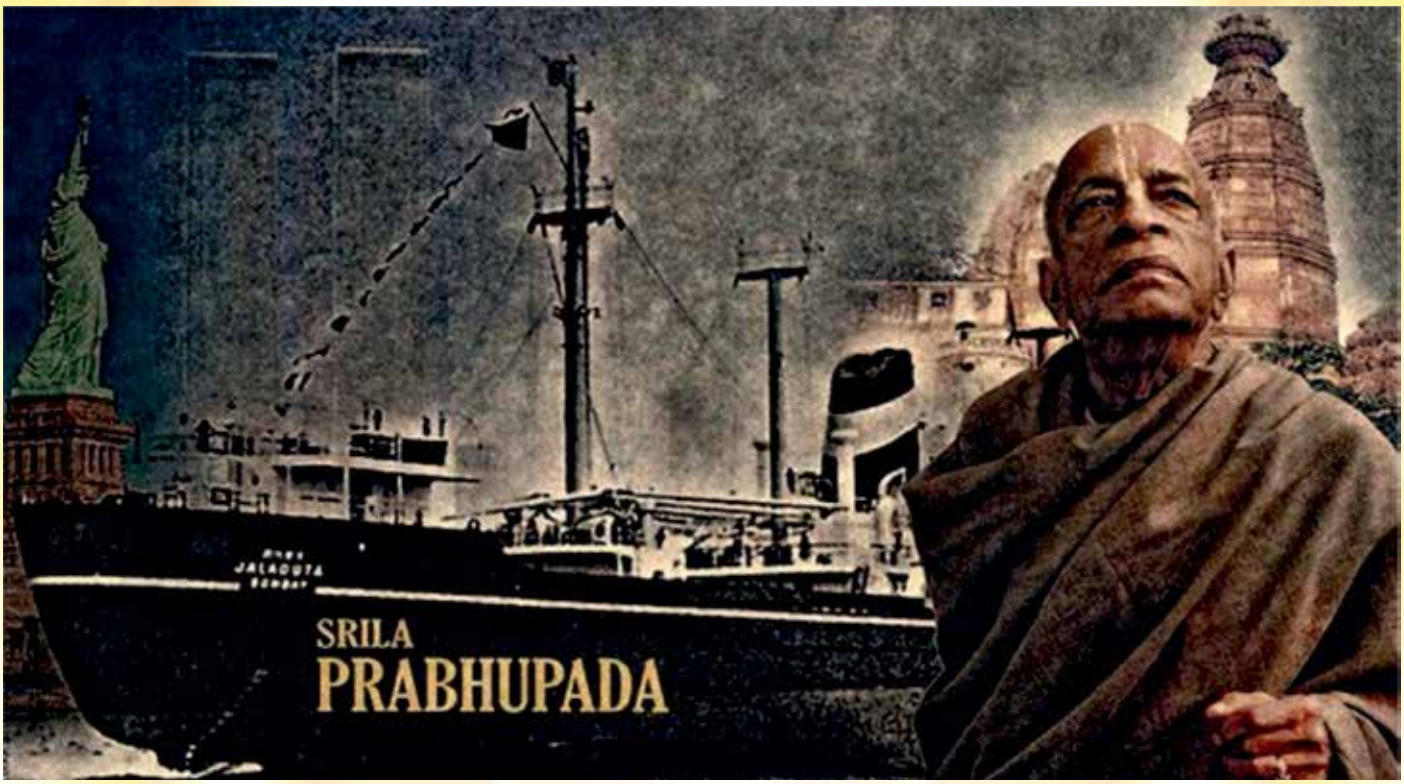

# Upcoming events:

## Beginning of Tulasi Jala Dana (14th April)

Krishna declares in the Bhagavad Gita that the one who is a devotee of His devotee is dear most to Him. Tulasi is the most exalted of all devotees of the Lord. Her stature and position is so sublime that all aspirants on the path of devotional service seek her shelter. Her merciful glance can make a devotee instantaneously eligible for entering the eternal pastimes of the Lord. In the hot month of summer, the festival of Tulasi Jala Dana, offers an opportunity to serve Vrinda Devi. Devotees offer water to Tulasi for a period of one month, hoping to gain her favour.

## Rama Navami (21st April)
### (ISKCON, East of Kailash)

Lord Rama appeared in Treta yuga. His exemplary character and His pastimes established the bench marks for behaviour and conduct in this material world. He teaches how to deal with worldly matters while remaining focussed on the goal of perfection of human life. His appearance will be celebrated with an elaborate abhishek, kirtan and feast. Devotees fast on this day to attract the merciful glance of Lord Rama. Rama Navami has special significance for Sri Sri Radha Parthasarathi temple, as it also marks the inauguration of this beautiful temple in Delhi by the then Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee ji. To commemorate this occasion, an abhishek is conducted at all the three altars in the temple. This festival is attended by thousands of followers of Lord Rama.

# आगामी कार्यक्रम

## तुलसी जल–दान का आरम्भ (14 अप्रैल)

परम भगवान श्री कृष्ण भगवद गीता में घोषणा करते हैं कि जो उनके भक्त का भक्त है, वह उन्हें सबसे प्रिय है। तुलसी जी भगवान के सभी भक्तों में सर्वश्रेष्ठ हैं। उनका कद और स्थिति इतनी उदात्त है कि भक्ति मार्ग के सभी आकांक्षी उनकी शरण ग्रहण करते हैं। उनकी दयामय दृष्टि भक्त को भगवान् की अनन्त लीलाओं में प्रवेश करने हेतु तुरंत योग्य बना सकती है। गर्मियों के गर्म महीने में, तुलसी जल–दान का त्योहार, वृंदा देवी की सेवा करने का सु–अवसर प्रदान करता है। उनकी कृपा प्राप्ति की आशा से भक्त एक महीने की अवधि के लिए तुलसी जी को जल–दान अर्पित करते हैं।

## श्री राम नवमी (21 अप्रैल)
### (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान श्री राम त्रेता युग में प्रकट हुए। उनके अनुकरणीय चरित्र एवं उनकी लीलाओं ने इस भौतिक संसार में व्यवहार और आचरण के मानक स्थापित किए। वह सिखाते हैं कि मानव जीवन की पूर्णता के लक्ष्य पर केंद्रित रहने के मध्य ही सांसारिक विषयों से कैसे निपटना है। भगवान् का प्राकट्य एक विस्तृत अभिषेक, कीर्तन एवं भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। भगवान श्री राम की कृपा कोर प्राप्त करने हेतु भक्तगण इस दिन उपवास करते हैं। श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर के लिए राम नवमी का विशेष महत्व है, क्योंकि यह विशेष दिन, दिल्ली में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा इस सुंदर मंदिर के उद्घाटन का प्रतीक है। इस अवसर को मनाने हेतु मंदिर की तीनों वेदियों में अभिषेक किया जाता है। इस उत्सव में भगवान श्री राम के हजारों अनुयायी शामिल होते हैं।

# PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

## ISKCON, EAST OF KAILASH

**Chirag Delhi**-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Okhla**- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

**Kotla Mubarakpur**- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Khanpur**- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Hari Nagar, Ashram**- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**East Vinod Nagar**-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

**Sriniwas Puri**-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

**Sangam Vihar**- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

**Boat Club**-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

**Panchsheel Enclave**-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

**Mayur Vihar**-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

**Sarojini Nagar**-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

**Lodi Road**-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

**R.K.Puram**-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

**Gole Market**-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

**Sant Kanwar Ram Mandir**-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

**East of Kailash**-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

**East of Kailash**-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

## ISKCON, GURUGRAM

**RADHA KRISHNA MADIR**-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Rail Vihar Community Center**
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Katwaria Sarai** - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

**Ladosarai** - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

**Mehrauli** - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

**Chattarpur** - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

**Aya Nagar 1**- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

**Aya Nagar 2**- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

**Malviya Nagar** - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

**Khirki Extension** - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension.
Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

**Kishan Garh** - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

**Sangam Vihar** - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

**East Of Kailash** - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

**Ber Sarai** - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

**Vasant Kunj** - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

**Saket** - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

**Tigri Extension** - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

**Ghitorni** - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

**Sultanpur** - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

**Prahlad Pur** - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

**Paharganj** - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj,
Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

# Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666

## International Society for Krishna Consciousness

**Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada**

**ISKCON, East of Kailash** - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

**ISKCON, Punjabi Bagh** - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

**ISKCON, Dwaka** - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

**ISKCON, Gurugram** - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

**ISKCON, Faridabad** - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

**ISKCON, Bahadurgarh** - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

**ISKCON, Rohini** - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

**ISKCON Gurugram (Badshahpur)** - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

**ISKCON Ghaziabad** - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

**ISKCON Chhattarpur** - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

**ISKCON Gurugram** - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

**Sri Sri Radha-Vallabh Temple** - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

**Sri Sri Radha Govind Dev Temple** - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**